अनौपचारिक-पत्र

.... } ← प्रेषक / भेजने वाले का नाम
....
....

दिनांकः .... / .... / ....

.... ← संबोधन (प्रिय, आदरणीय)

.... ← यथा योग्य अभिवादन

.... } ← कुशल क्षेम ज्ञापन
....
....

.... | ← मुख्य विषय वस्तु
....
....
....
....
....
....
....
....

.... ← संबंध का उल्लेख

.... ← प्रेषक का नाम

व्यक्तिगत-पत्र/पारिवारिक-पत्र

7 / 105

श्याम कॉलोनी, निर्माणनगर,
गोरखपुर, (उत्तर प्रदेश)।

दिनाँक-26 / 03 / 20..

प्रिय सुनील,

कल ही तुम्हारा पत्र प्राप्त हुआ। जिससे ज्ञात हुआ कि तुम्हारा ग्रीष्मावकाश आरंभ हो गया है। इस बार के ग्रीष्मावकाश में मेरा मन कर रहा है कि हम दोनों मिलकर छुट्टियों का भरपूर आनंद उठाये।

मेरा विचार यह है कि क्यों न तुम इस बार मेरे गाँव में आकर गर्मी की छुट्टियाँ व्यतीत करो। तुम तो जानते ही हो कि हमारा गाँव पर्यटन स्थल है यहाँ पर देखने लायक हवेली है और साथ ही यहाँ गर्मियों में प्रतिवर्ष हमारे इष्ट देवता रामदेव जी का मेला लगता है। उनका यहाँ बड़ा ही भव्य एवं प्राचीन मंदिर है। यहाँ पर लोग दूर दूर से दर्शन करने आते है। हम यहाँ पर मन्दिर में सेवा कर के बहुत आनंद उठाते है। यदि तुम कुछ दिनों के लिए ही सही, यहाँ आ सको तो मुझे आपार खुशी होगी। मेरे माता-पिता भी यही इच्छा रखते हैं। मैं तुम्हारे उत्तर की प्रतीक्षा करूँगा।

तुम्हारा प्रिय मित्र
लखनलाल रघुवंशी

पिता को पत्र

राधा कृष्ण कॉलोनी,
मथुरा, उत्तर प्रदेश।
दिनांकः 02/08/2023

पूजनीय पिताजी, सादर चरण स्पर्श।

मैं यहाँ पर सकुशल हूँ और आपकी सपरिवार कुशलता के लिए ईश्वर से सदैव प्रार्थना करता हूँ। आपके द्वारा प्रेषित पत्र तथा मनीऑर्डर दोनों एक ही दिन मिले हैं। इस समय मेरी पढ़ाई अच्छी तरह से चल रही है।

अब वार्षिक परीक्षा के लिए लगभग एक माह शेष है। मैं आजकल सभी विषयों का नियमित अध्ययन करता हूँ। अंग्रेजी और हिन्दी की तीन बार आवृत्ति कर चुका हूँ। सामान्य ज्ञान और समाजशास्त्र का कोर्स भी दो बार पूरा कर लिया है। अब गणित की विशेष तैयारी में लगा हुआ हूँ। आजकल मैं रात में साढ़े दस बजे तक पढ़ता हूँ और फिर सो जाता हूँ, और चार बजे उठकर अध्ययन करने लग जाता हूँ। इस तरह मेरा अध्ययन क्रम नियमित चल रहा है और आपके आशीर्वाद से मुझे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने की पूर्ण आशा है।

आप मेरी ओर से निश्चिंत रहें, मैं परीक्षा के बाद ही आपके पास आ पाऊँगा। पूज्य माताजी को चरण-स्पर्श तथा निशा व आदित्य को प्यार।

कुशल पत्र की प्रतीक्षा में,

आपका आज्ञाकारी पुत्र

धीरेन्द्र यादव

प्रिय मित्र को पत्र

102 श्याम मार्केट,
लखीमपुर, 181425
अगस्त 01–2023

प्रिया जमशेद,

हम लम्बे समय से नहीं मिले। अगर तुम 15 अगस्त को मेरे जन्मदिन पर मेरे घर आओगे तो मुझे अत्यंत प्रसन्नता होगी । हम उस दिन एक पार्टी का आयोजन कर रहें हैं। तुम मेरे सबसे प्रिय मित्र हो और मै अपनी पार्टी तुम्हारे बिना आयोजित करने के विषय में सोच भी नहीं सकता।

पिछले साल तुम आये थे और तुम जानते हो कि हमने कितना आनन्द उठाया था। मैंने अपने कुछ और मित्रों को आमंत्रित किया है। और वे सब आ रहे हैं। माताजी भी तुम्हे याद कर रही हैं और वह तुम्हे पार्टी में देखकर बहुत प्रसन्न होंगी। मै उस दिन तुम्हारा इन्तजार करूँगा।

शुभकामनाओं सहित।

तुम्हारा प्रिय मित्र
महेश गौतम

व्यावसायिक-पत्र (औपचारिक-पत्र)

इण्डियन पुस्तक भण्डार

सीतापुर

दिनाँक- 21 अगस्त, 2022

सेवा में,

व्यवस्थापक,

महक पुस्तक प्रकाशन,

लखनऊ।

प्रिय महोदय,

कृपा करके निम्नलिखित पुस्तकें रेलवे पार्सल द्वारा भेजने का कष्ट करें-

1.	सामान्य हिन्दी	15 प्रतियाँ
2.	इग्लिश रीडर	25 प्रतियाँ
3.	हमारा इतिहास	10 प्रतियाँ
4.	विज्ञान एवं पर्यावरण संरक्षण	35 प्रतियाँ
5.	संसार ज्ञान	45 प्रतियाँ

साथ में आपन नया सूची-पत्र भी भेजने का कष्ट करें।

भवदीय

ओंकार नाथ गर्ग

क्रय-विक्रय अधिकारी